



GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

CIN U20299DL1986 NPL023253

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: 91-11-26135256

Fax: 91-11-26135518,26135519

Email: press@epch.com

web: www.epch.in

PRESS RELEASE

1st SEPTEMBER - NATIONWIDE HANDICRAFT EXPORTERS MEMORANDUM DAY CONCERNING RoDTEP RATES

New Delhi – 31st August, 2021 - The much awaited Remission of Duties and Taxes on Exported Products (RoDTEP) rates were announced by the Government and to be effective from 1st January, 2021 as per the Directorate General of Foreign Trade (DGFT), Govt. of India Notification for various export products including handicrafts.

Shri Raj Kumar Malhotra, Chairman - EPCH said that, "the RoDTEP rates, which were keenly awaited were not as per the expectation of the handicrafts exporters as the sector was expecting comparable rates (5%-7%) with MEIS scheme, the rates offered are in the range of 0.01% to 2.4% for the handicrafts sector. He further added that the Council has already represented for enhancing of rates to the Finance Minister as well as to the Textiles, Commerce & Industry Minister".

He further informed that since the RoDTEP rates offered are very low, a Memorandum Day is being organized on 1st September, 2021 across various crafts clusters of the country to collectively put forward a representation for enhancing the RoDTEP rates for the handicrafts sector. The handicrafts exporters at various clusters will submit a Memorandum to their Member of Parliament from the region, Mayor, District Magistrate etc. to forward their demand to the Government of India.

Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH said that 'the Government has urged the exporters to put in additional efforts to achieve the overall export target of US\$ 400 billion in the year 2021-22 and EPCH is committed towards achieving its share of exports in India's total exports. Handicrafts sector being the cottage sector of the Indian economy providing employment to over 7 million artisans including women folk and weaker sections of the society. Despite the pandemic the sector has been able to register a marginal growth of 1.62% and stands at Rs. 25,679 crores in the year 2020-21 which is a testament to the hard work and efforts put in by the handicrafts exporters in achieving growth despite all odds'.

The RoDTEP scheme would refund to exporters the embedded Central, State and local duties/taxes that were so far not being rebated/refunded and were, therefore, placing our exports at a disadvantage. The refund would be credited in an exporter's ledger account with Customs and used to pay Basic Customs duty on imported goods. The credits can also be transferred to other importers.

The export figures for April-March of the current financial year 2020-21 are at Rs. 25679.98 crores (USD 3459.75 million) registering a marginal growth of 1.62 % (Rupee terms) and (-) 2.93 % (dollar terms) over the same period last year. However, the provisional figures for the April-July of the current financial year 2021-22 are at Rs. 7792.14crores (USD 1053.34 million) registering a growth of 62.38% (Rupee terms) and 66.07% (dollar terms).

For more information, please contact:

Shri Rakesh Kumar- Director General – EPCH - +91-9818272171

Follow us on #epchindia



प्रेस विज्ञप्ति

1 सितंबर - रोडटेप दरों के संबंध में हस्तशिल्प निर्यातकों का राष्ट्रव्यापी ज्ञापन दिवस

नई दिल्ली - 31 अगस्त, 2021 - सरकार द्वारा निर्यात किए गए उत्पादों (आरओडीटीईपी) दरों बहुप्रतीक्षित छूट की घोषणा की गई और विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी), भारत सरकार की अधिसूचना के अनुसार, हस्तशिल्प सहित विभिन्न निर्यात उत्पादों के लिए RoDTEP कि दरें 1 जनवरी, 2021 से प्रभावी होंगी।

श्री राज कुमार मल्होत्रा, अध्यक्ष - ईपीसीएच ने कहा कि, "सरकार द्वारा घोषित RoDTEP दरें, जिनका हस्तशिल्प निर्यातकों द्वारा बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था, हस्तशिल्प निर्यातकों की अपेक्षा के अनुरूप नहीं थी क्योंकि हस्तशिल्प क्षेत्र एमईआईएस योजना (5%-7%) के साथ तुलनीय दरों की अपेक्षा कर रहा था। हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए पेशकश 0.01% से 2.4% की सीमा में है। उन्होंने आगे कहा कि परिषद पहले ही वित्त मंत्री के साथ-साथ कपड़ा, वाणिज्य और उद्योग मंत्री को दरों में वृद्धि के मुद्दे का प्रतिनिधित्व कर चुकी है।

उन्होंने आगे बताया कि चूंकि प्रस्तावित RoDTEP दर बहुत कम है, इसलिए देश के विभिन्न शिल्प समूहों में 1 सितंबर, 2021 को हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए RoDTEP दरों को बढ़ाने के लिए सामूहिक रूप से एक प्रतिनिधित्व देने के लिए एक ज्ञापन दिवस का आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न समूहों में हस्तशिल्प निर्यातक भारत सरकार को अपनी मांग अग्रेषित करने के लिए क्षेत्र के अपने सांसद, मेयर, जिला मजिस्ट्रेट आदि को एक ज्ञापन सौंपेंगे।

डॉ. राकेश कुमार, महानिदेशक - ईपीसीएच ने कहा कि सरकार ने निर्यातकों से वर्ष 2021-22 में अमेरिकी डॉलर 400 बिलियन के समग्र निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने का आग्रह किया है और ईपीसीएच भारत के कुल निर्यात में अपने हिस्से को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। हस्तशिल्प क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का कुटीर क्षेत्र है जो महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों सहित 7 मिलियन से अधिक कारीगरों को रोजगार प्रदान करता है। COVID महामारी के बावजूद यह क्षेत्र वर्ष 2020-21 में रु 25,679 करोड़ 1.62% की मामूली वृद्धि दर्ज करने में सक्षम रहा है और जो सभी बाधाओं के बावजूद विकास हासिल करने में हस्तशिल्प निर्यातकों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और प्रयासों का प्रमाण है।

RoDTEP योजना निर्यातकों को एम्बेडेड केंद्रीय, राज्य और स्थानीय शुल्क/कर वापस कर देगी जो अब तक छूट/वापसी नहीं किए जा रहे थे और इसलिए, हमारे निर्यात को नुकसान में डाल रहे थे। रिफंड को एक निर्यातक के खाते में सीमा शुल्क के साथ जमा किया जाएगा और आयातित माल पर मूल सीमा शुल्क का भुगतान किया जाएगा। क्रेडिट अन्य आयातकों को भी हस्तांतरित किया जा सकता है।

चालू वित्त वर्ष 2020-21 के अप्रैल-मार्च के निर्यात के आंकड़े रुपये पर हैं। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.62% (रुपये में) और (-) 2.93% (डॉलर में) की मामूली वृद्धि दर्ज करते हुए 25679.98 करोड़ (यूएसडी 3459.75 मिलियन)। हालांकि, चालू वित्त वर्ष 2021-22 के अप्रैल-जुलाई के अनंतिम आंकड़े रुपये पर हैं। 7792.14 करोड़ (1053.34 मिलियन अमेरिकी डॉलर) ने 62.38% (रुपये में) और 66.07% (डॉलर में) की वृद्धि दर्ज की।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

डॉक्टर राकेश कुमार, महानिदेशक- ईपीसीएच-+91-9818272171

Follow us on #epchindia

